स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत गोबरधन परियोजना की स्थिति रिपोर्ट
(जनपद- प्रतापगढ़)

1. पृष्ठभूमि-

गोबरधन (**GOBARdhan – Galvanizing Organic Bio-Agro Resources Dhan)** योजना स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-II का एक प्रमुख घटक है, जिसका उद्देश्य पशु अपशिष्ट एवं जैविक कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन कर बायोगैस/सीबीजी, जैव-खाद (बायो-स्लरी) का उत्पादन करना है। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, नवीकरणीय ऊर्जा, आजीविका सृजन एवं परिपत्र अर्थव्यवस्था (Circular Economy) को बढ़ावा देती है।

2. प्रतापगढ़ में गोबरधन परियोजना की वर्तमान स्थिति-

(क) परियोजना का संक्षिप्त विवरण

- जनपद: प्रतापगढ़
- योजना: स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) – गोबरधन
- परियोजना का प्रकार: सामुदायिक बायोगैस प्लांट
- कार्यान्वयन एजेंसी: पंचायती राज विभाग / जिला प्रशासन

(ख) प्रमुख गोबरधन संयंत्रों की स्थिति

1. पहाड़पुर ग्राम पंचायत, विकास खंड लालगंज (उ.प्र.)
    - स्थिति: कार्यशील (Functional)
    - क्षमता: लगभग 45 घन मीटर/दिन बायोगैस उत्पादन
    - कच्चा माल: पशु गोबर एवं जैविक अपशिष्ट
    - उपयोग:
        - बायोगैस का ऊर्जा उत्पादन/स्थानीय उपयोग
        - बायो-स्लरी का कृषि में जैव-खाद के रूप में उपयोग
    - वित्तपोषण: SBM(G) के अंतर्गत स्वीकृत
2. गोशाला आधारित सामुदायिक बायोगैस संयंत्र (जहाँ लागू)
    - स्थिति: कार्यशील
    - उत्पादन: गैस एवं तरल/ठोस जैव-खाद
    - उपयोग: स्थानीय संस्थानों/समुदाय को गैस आपूर्ति

(ग) उपलब्धियाँ

- जैविक अपशिष्ट का वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित हुआ।
- ग्रामीण स्तर पर स्वच्छता एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिला।
- बायो-स्लरी के उपयोग से रासायनिक खाद पर निर्भरता में कमी।
- स्थानीय स्तर पर रोजगार/आजीविका के अवसर सृजित हुए।

3. परियोजना के क्रियान्वयन में आई प्रमुख चुनौतियाँ

1. कच्चे माल (गोबर/जैविक कचरा) की सतत उपलब्धता
2. समुदाय में जागरूकता एवं सहभागिता का अभाव
3. तकनीकी एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी
4. **O&M** के लिए नियमित वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता
5. कुछ स्थानों पर गैस/खाद के विपणन (**Forward Linkages)** की कमी

4. FY 2026-27 के लिए आगे की कार्ययोजना (Way Forward)

(क) सभी स्वीकृत संयंत्रों की पूर्णता एवं कार्यशीलता सुनिश्चित करना

(ख) कच्चा माल प्रबंधन

- गोबर संग्रहण हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर संग्रह व्यवस्था।
- गोशालाओं, डेयरियों एवं पशुपालकों के साथ समन्वय।

(ग) जन जागरूकता एवं IEC गतिविधियाँ

- ग्राम सभाओं के माध्यम से गोबरधन के लाभों का प्रचार।
- बायो-स्लरी के कृषि उपयोग पर किसानों को प्रशिक्षण।

(घ) अभिसरण (Convergence)

- मनरेगा, 15वां वित्त आयोग, पशुपालन एवं ऊर्जा विभाग की योजनाओं से अभिसरण।
- SHG/स्थानीय उद्यमियों को संचालन से जोड़ना।

5. FY 2026-27 के लिए संचालन एवं अनुरक्षण (O&M) व्यवस्था

(क) संस्थागत व्यवस्था

- प्रत्येक गोबरधन संयंत्र हेतु स्थानीय O&M समिति का गठन।
- ग्राम पंचायत/SHG/स्थानीय युवाओं की भागीदारी।

(ख) क्षमता निर्माण

- ऑपरेटरों एवं तकनीकी कर्मियों का नियमित प्रशिक्षण।
- सुरक्षा मानकों एवं उपकरणों की जानकारी।

(ग) वित्तीय प्रबंधन

- O&M हेतु SBM(G) प्रशासनिक मद/अन्य स्रोतों से वार्षिक बजट प्रावधान।
- गैस एवं जैव-खाद विक्रय से प्राप्त आय का उपयोग रख-रखाव में।

(घ) निगरानी एवं मूल्यांकन

- मासिक प्रगति रिपोर्ट (उत्पादन, उपयोग, आय)।
- जिला स्तर पर तिमाही समीक्षा बैठक।

6. निष्कर्ष

जनपद प्रतापगढ़ में गोबरधन परियोजना SBM(G) के उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में प्रभावी रूप से क्रियान्वित हो रही है। AIP 2026-27 के अंतर्गत सभी स्वीकृत संयंत्रों की पूर्णता, नियमित O&M, सामुदायिक सहभागिता एवं अभिसरण के माध्यम से गोबरधन संयंत्रों की पूर्ण कार्यशीलता एवं दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित किया जाएगा।